ont>

12.17 hrs.

Title: Regarding demolition of Houses by DDA at Tughlaqabad, Village, Delhi.

स्री राम विलास पासवान (हाजीपुर) : अध्यक्ष जी, मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहता हूं कि आपने इस महत्वपूर्ण मुद्दे को उठाने का मुझे मौका दिया। मैं धन्यवाद देना चाहता हूं कि जगमोहन जी भी यहां मौजूद हैं, खुराना साहब भी हैं और साहिब सिंह वर्मा जी भी हैं। मैं जिस मामले को उठा रहा हूं, वह साहिब सिंह वर्मा जी की कांस्टीट्वेंसी में तुगलकाबाद का है। खुराना साहब कल वहां धरने पर गये थे। यह मामला तुगलकाबाद में 50 हजार लोगों से सम्बन्धित है, वहां 10 हजार से अधिक मकान हैं। इस मामले ने 1995 में विकृत रूप लिया, जब दिल्ली में सरकार बनी और दिल्ली को राज्य का दर्जा दिया गया था। उस समय दिल्ली सरकार ने पूरे गांव को आर्कियोलोजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के पास सौंप दिया। इसका नतीजा हुआ हैâ€¦ (व्यवधान) हमने एडजर्नमेंट मोशन दिया है और इस गांव कोâ€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मेरे पास एडजर्नमेंट मोशन का नोटिस है, मैं आपको बोलने का मौका दे रहा हूं।

कुमारी उमा भारती : अध्यक्ष जी, मध्य प्रदेश में इतना बड़ा कांस्टीट्यूशनल क्राइसिस है, उसे नहीं उठाने दिया।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: If you are replying on behalf of the Government, I will permit you.

...(*Interruptions*)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI (RAIGANJ): How can a Minister interrupt like this?

SHRI SOMNATH CHATTERJEE (BOLPUR): It is very unfortunate. Why is the Minister interrupting like this?

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I agree with what you are saying.

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : This is not correct. Being a Minister, he cannot get up like this on every problem....(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: As a representative of the Government, you can always reply. But let him complete first.

स्री रामजी लाल सुमन : राम विलास जी की बैंत सुन लीजिए, फिर मंत्री जी बयान दें।

अध्यक्ष महोदय : मैं भी यही कह रहा हूं।

श्री राम विलास पासवान : अध्यक्ष जी, मैं बहुत संयमी सदस्य हूं। जब मैं नया-नया था, तो मैं भी बैंलता था और हर रोज बोलने के लिए उठता था। मैं आपके आदेश का पालन करता हूं। आप यदि रामानंद सिंह जी को या उमा भारती जी को बालाते, तो मैं नहीं उठता। लेकिन जब मैं बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं, तो इनको चाहिए कि मेरी बैंत सुनें। यह कोई पार्टी का मामला नहीं है। जो बैंत साहिब सिंह जी कह रहे हैं, मदन लाल खुराना जी इसके विपरात बोलेंगे। इसलिए मंत्री जी को अपने संसदीय क्षेत्र के लोगों का ख्याल रखना चाहिए। मैं अपनी बैंत संक्षेप में कहना चाहूंगा। 1921 में गयासुद्दीन तुगलक ने तुगलकाबाद को बसाया था। 1857 में इस पूरे गांव ने आजादी की लड़ाई में भाग लिया था। उसका नतीजा यह हुआ कि अंग्रेजों ने पूरे गांव को जब्त कर लिया, लेकिन बेदखल किसी को नहीं किया। 1921 में वाल का मामला आर्क्योलॉजिकल सर्वे आफ इंडिया को दिया गया।

अध्यक्ष महोदय : आप खैंत्म करें।

श्री राम विलास पासवान : मैं एक मिनट में खैंत्म कर रहा हूं। 1947 में पाकिस्तान से आए हुए सिखों को यहां लाकर बसाया गया। 1960 में केन्द्र सरकार द्वारा यहां बिजली और पानी की व्यवस्था की गई। 1964 में इस गांव की बची हुई जमीन को लोगों को एलाट कर दिया गया। 1965 में यहां प्रापर्टी टैक्स लगाया गया। 1983 में डीडीए के वी.सी. ने वहां रोड, नालों आदि का प्रबंध किया। 1995 में जब दिल्ली में बी.जे.पी. की सरकार बनी तो इन लोगों ने इसे ए.एस.आई. को ट्रांसफर कर दिया। जबकि राज्य सरकार को ट्रांसफर का अधिकार नहीं है। दिल्ली में जमीन का मामला, पुलिस का मामला, वह केन्द्र सरकार के जिम्मे है, लेकिन दिल्ली सरकार ने ए.एस.आई. को पूरे गांव का मामला ट्रांसफर कर दिया। वह अधिकार सेंटर को है। उसके लिए नोटिफिकेशन जारी किया जाता है, लेकिन बिना नोटिफिकेशन जारी किए सारा का सारा मामला ट्रांसफर कर दिया। कल वहां उस पूरे इलाके के गांव की पंचायत बैठी थी। उसमें खुराना जी भी गए थे। हर पार्टी के लोग सपोर्ट कर रहे हैं। यह जबर्दस्ती जिस तरीके से एक तरफा कार्रवाई हो रही है, उससे लोगों में आक्रोा है। यह दिल्ली का मामला है। मेरे पास डाक्यूमेंट्री प्रूफ हैं। आप चाहें तो मैं वे सारे प्रूफ दिखा सकता हूं कि किस तरह से दिल्ली सरकार ने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर लोगों का शोाण करने का काम किया है। मैं आपसे मांग करता हूं कि इस मामले की जांच के लिए एक सर्वदलीय समिति बनाई जाए। उसमें खुराना जी भी हों, साहिब सिंह जी भी हों, मंत्री जी भी हों और हम भी रहेंगे। उससे दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा और वहां के लोगों के साथ इन्साफ हो जाएगा। इस तरीके से आम लोगों को, पूरी 50,000 की आबादी को बेदखल करके अगर उनको सड़क पर लाने का काम किया गया, तो दिल्ली में खून-खराबा हो सकता है, यह मैं चेंतावनी देना चाहता हूं। मंत्री जी यहां बैठे हुए हैं, उन्हें इस पर रिस्पाँस करना चाहिए।â€¦ (व्यवधान)

श्रम मंत्री (डॉ. साहिब सिंह वर्मा) : माननीय अध्यक्ष जी, इन्होंने हमारा भी नाम लिया है, जगमोहन जी का नाम भी लिया है। मेरी मंत्री जी से बैंत हो चुकी है। गांव में कोई नोटिस नहीं दिया जा रहा है, सारा मामला सैटिल हो रहा है, जगमोहन जी से बैंत हो चुकी है,â€¦ (व्यवधान) खुराना जी ने भी बैंत की है। अब कोई नोटिस नहीं दिया जा रहा है, कोई मकान नहीं गिराया जा रहा है, सारी बैंतें तय हो चुकी हैं और गांव वालों को बताया जा चुका है।â€¦ (व्यवधान)

श्री मदन लाल खुराना : अध्यक्ष जी, क्योंकि मैं कल वहां गया था इसलिए मुझे एक मिनट बोलने का मौका दें।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : शिवराज पाटिल जी, मैं आपको एक मिनट के बाद मौका दूंगा। अभी खुराना जी को अपनी बैंत कह लेने दें।

श्री मदन लाल खुराना : आज सुबह अगर मेरी सम्बन्धित मंत्री जी से बैंत नहीं होती, तो जैसा भााण आपने दिया, मैं भी वैसा ही देता। कल मैं वहां लोगों से कहकर आया था कि मैं आपके एडवोकेट की तरह इस मामले को लूंगा। यहां आकर मैंने और विजय कुमार जी और साहिब सिंह जी ने भी सम्बन्धित मंत्री जी से बैंत की। उनका कहना है कि वहां कोई भी मकान नहीं तोड़ा जाएगा और न तोड़ा जा रहा है, कुछ नहीं किया जा रहा है। मंत्री जी खुद यहां बता सकते हैं।â€¦ (व्यवधान)

श्री राम विलास पासवान : ए.एस.आई. को ट्रांसफर क्यों किया गया, क्या आप इसको उचित मानते हैं ?

डॉ. विजय कुमार मल्होत्रा : यह दिल्ली की कांग्रेस पार्टी की सरकार कर रही है।

अध्यक्ष महोदय : इस विाय में मैं कंट्रोवर्सी नहीं चाहता हूं। आपने अपनी बैंत बताई है। मंत्री जी इस विाय में सोचेंगे।

श्री मदन लाल खुराना : मैं चाहूंगा कि मंत्री जी स्थिति स्पट करें।

MR. SPEAKER: The Minister wants to say something.

स्री राम विलास पासवान : मंत्री जी यहां बैठे हुए हैं।

पर्यटन और संस्कृति मंत्री (श्री जगमोहन) : सर, कोई भी टैक्नीकल पोजीशन हो कि 1995 में स्टेट-गवर्नमेंट ने आर्किलोजिकल सर्वे को ट्रांसफर कर दिया है। आर्किलोजिकल सर्वे कल्चरल डिपार्टमेंट का हिस्सा है। मेरे से लोग इस बारे में मिले भी हैं, हमारे मित्र भी मिले हैं। हमने विश्वास दिलाया है कि जो पुरानी आबादी है, 1993 का एरियल सर्वे है, उस एरियल सर्वे के हिसाब से किसी को, कोई भी डिस्टर्बैंस नहीं होगा।

SHRI SHIVRAJ V. PATIL (LATUR): Sir, I am raising a very serious issue. It would have given us an opportunity...(*Interruptions*)

डॉ. विजय कुमार मल्होत्रा : क्या एडजोर्नमेंट मोशन ख्त्म हो गया?â€¦ (व्यवधान)

कुमारी उमा भारती : सर, मध्य प्रदेश का मामला बहुत महत्वपूर्ण है।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : इनके बाद मैं आपके विाय को ले रहा हूं।

SHRI SHIVRAJ V. PATIL : Sir, if the issue would have been discussed...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Hon. Members, please take your seats.

...(*Interruptions*)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Sir, every time the Members from the Treasury Benches are questioning your decision...(*Interruptions*)â€¦ It has become a daily practice. Every day, they question your decisionâ€¦ (*Interruptions*)

कुमारी उमा भारती : सर, यह बहुत महत्वपूर्ण इश्यू है। हम इसे पहले उठाएंगे।

अध्यक्ष महोदय : ऐसे कैसे चलेगा? ह्मैं तो इस विाय को भी मर्यादित टाइम दे रहा हूं।

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Fortunately, since you are all cooperating, three issues have been taken up in the House. This is the fourth issue which I am trying to take

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Then, I will strictly go according to the convention. I do not want to reject any issue for any personal reason. The issue of Madhya Pradesh is important. The Members are agitated. I am going to permit them.

KUMARI UMA BHARATI : It is not only important but it is a very serious issue.

MR. SPEAKER: It is a very serious and important issue, as I said. That is why I have given it a priority. After Shivrajji. Patil, you will be able to raise this issue.

...(*Interruptions*)